कल की उम्मीद लिए

मनीषा जैन

कल की उम्मीद लिए

मनीषा जैन

परिचय

नाम- मनीषा जैन

जन्म- 24 सितंबर, 1963, मेरठ उत्तर प्रदेश

शिक्षा- एम ए हिन्दी साहित्य, यू जी सी नेट

शोध छात्रा- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली

प्रकाशन - कविता संग्रह: रोज गूंथती हूं पहाड़

हायकु व रेखाचित्र संग्रह: होता है ऐसा जैसे

साझा काव्य संग्रह: 1-सारांश समय का, 2-कविता अनवरत

लोक स्वामी, नई धारा, गाथांतर, उम्मीद, संप्रेषण, नया पथ, अलाव, वर्तमान साहित्य, संप्रेषण, मुक्तिबोध, बयान, साहित्य भारती, आकंठ, कृतिओर, रचनाक्रम, जनसत्ता, विपाशा (हिमाचल प्रदेश), भाषा स्पंदन (बंेगलूर), छत्तीसगढ़ मित्र, परिकथा, जनपथ, अभिनव इमरोज, आगमन, मधुमती, अनुसिरजण, शैक्षिक दख़ल, लमही, हिन्दी चेतना कनाडा, अनभै सांचा आदि पत्र पत्रिकाओं में कविताएं, समीक्षायें, आलेख व रेखाचित्र प्रकाशित।

सम्मान - भारतीय साहित्य सृजन संस्थान पटना से कथा सागर साहित्यसम्मान-2013

संप्रति- स्वतंत्र लेखन,

संपर्क- 165 ए, वेस्टर्न एवेन्यू, सैनिक फार्म, नई दिल्ली-110080

फोन न. - 09871539404

अनुक्रम

1. दो लाल फूल
2. घर में उजास
3. बदलना
4. भेद रहा है चक्रव्यूह रोज
5. तुम ही तुम
6. पौधे रोप रहा है
7. समय
8. जीवन का राग
9. बूढ़ी आंखो के सपने
10. आजकल
11. घर -1
12. घर -2
13. घर -3
14. चिड़िया की तरह
15. बासी रोटी की महक

16. बारिश की बूंदें

17. दाल चूल्हे पर

18. आदिवासी स्त्रियां

19. अम्मा और बाबूजी

20. सर्कस की कलाकार

21. एक पेड़ का मेला

22. हंसी बनना चाहती हूं

23. बीड़ी पीती औरत

24. सुख की नदी

25. मुझे उम्मीद है

26. हम सुनेंगे

27. निडरता

28. एक दरिया चुप्पियों का

29. चमकती आंखें

30. हंसने पर प्रतिबंध

31. किसान के लिए

32. तुम और मैं

33. मकड़ी का जाला

34. क्या तुम भूल पाओगे?

35. साल के अंत में

36. चाँद की चीख

37. वे लोग

38. जब हम अजनबी थे

39. प्यार के सतरंगे प्रिज़्म के लिए दौड़

40. नदी और स्त्री

41. यही सच है

42. मरते-मरते जीना

43. किताबों की चाह

44. स्वप्न कल्पनाएं और यर्थाथ

45. गहरी नींद में सो सकूं

46. कविता का असर

47. क्या हम बचा पायेंगे

48. आग और पानी

49. मन का डर

50. बरसों पहले

51. बार-बार मरना

52. विदा

53. नहा आते हैं गंगा में

54. कुछ तो ऐसा करो

55. दुनिया का सबसे धनी बालक

56. सड़क बनाता मज़दूर

57. रचती है संसार

58. मुझे मत पुकारना

59. मैंने देखा

60. तुम भूल गए सब कुछ

61. औरत को यदि

62. सच्चाई स्वीकार क्यों नहीं करते तुम?

63. रोज उदित होती हूं

64. फिर उगेगी बेल

65. पिता

66. अनार के फूल

67. तुम आसमान बन देखो मुझको

68. सिर्फ अन्तमन

69. कल शाम सूरज

70. पांव धोते बच्चे

71. फिर आने के लिए कह गए हैं

72. कैसे कहूं विदा

73. डर

74. अलविदा गीत

75. रामपुर

76. दहशतगर्दी

77. फैशन शो के बाद

78. कल्पना का हक़

79. अपने बाल बांध लो

80. काठमाण्डू की सड़क पर प्रेम

81. प्रेम में

82. मीठी रोटी

83. हम नहीं चाहते

84. ये बच्चे

85. साल की अंतिम रात

86. भाई के लिए

आदरणीय

कवि विजेन्द्र जी के लिए

सादर